वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 186 | मंगलवार 1 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी

सीआरपीएफ के जवानों ने अल्बर्ट हॉल से स्मृति वन तक लगाई दौड़

जयपुर. कासं। राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जा रही सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर सोमवार को देश और प्रदेश में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। अल सुबह जयपुर के अल्बर्ट हॉल से सीआरपीएफ की ओर से 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीआरपीएफ के आलाधिकारी भी मौजूद रहे। देश में एकता का संदेश लिए सीआरपीएफ सहित अन्य सुरक्षा बलों के जवानों ने 'रन फॉर यूनिटी' में हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में जवानों ने अल्बर्ट हॉल से स्मृति वन तक दौड़ लगाई और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन के कमांडेंट प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत राष्ट्र के निर्माण में उनकी अतुल्य भूमिका को याद कर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर गृह मंत्रालय की ओर से देशभर के 750 जिलों में 75 हजार यूनिटी फॉर रन का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर में भी अल्बर्ट हॉल से स्मृति वन तक '**रन फॉर यूनिटी**' का आयोजन किया गया है। इसमें सीआरपीएफ के जवानों ने दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है।

राहुल के ट्वीट से गहलोत को मिली मजबूती

राजस्थान की गर्वनेंस को सराहा, संकेत यह कि गुजरात चुनाव तक सीएम की कुर्सी को खतरा नहीं!

जयपुर. कासं

गुजरात चुनाव तक राजस्थान में अब सियासी संकट टलता हुआ नजर आ रहा है। इसकी बड़ी वजह राहुल गांधी के राजस्थान के गर्वनेंस मॉडल की सराहना करना है। राहुल गांधी ने गुजरात चुनाव को लेकर ट्वीट किया। इसमें उन्होंने संविदाकर्मियों को पक्की नौकरी, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल और समय पर प्रमोशन करने के 3 वादों की बात करते हुए लिखा कि राजस्थान में लागू किया, अब गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनते ही कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा। राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद इसके सियासी मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद अशोक गहलोत समर्थकों ने इसका प्रचार शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर पायलट समर्थक इस पर ज्यादा रिएक्ट करने से बच रहे हैं। यह भी स्पष्ट हो गया है कि गुजरात चुनाव के प्रचार को लेकर कांग्रेस इसी फॉर्मूले पर जाएगी। ओल्ड पेंशन स्कीम और संविदाकर्मियों को पक्की नौकरी गुजरात चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े हथियार होंगे।

गुजरात चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा तक गहलोत को खतरा नहीं

राहुल गांधी के इस ट्वीट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कम से कम गुजरात चुनाव और कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान से गुजरने तक सीएम अशोक गहलोत की कुर्सी को खतरा नहीं है। इसकी बड़ी वजह गहलोत सरकार की ओर से राजस्थान में लागू की गई ये तमाम योजनाएं हैं। जिन्हें लेकर कांग्रेस गुजरात में चुनाव प्रचार में उतर रही है। ऐसे में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व गुजरात चुनाव से पहले राजस्थान में किसी भी किस्म का बदलाव नहीं करना चाहेगा। इसके अलावा 20 दिसम्बर तक राजस्थान से भारत जोड़ो यात्रा भी गुजरेगी। राहुल गांधी के ट्वीट के बाद अशोक गहलोत ने उसे री-ट्वीट करते हुए लिखा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार 2018 के विधानसभा चुनावों में तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा किए गए हर वादे को पूरा कर रही है। किसान कर्जमाफी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, संविदाकर्मियों का नियमितीकरण, बेरोजगारी भत्ता समेत तमाम वादे पूरे किए जा चुके हैं। कांग्रेस पार्टी की सामाजिक सुरक्षा की सोच को ध्यान में रखकर चिरंजीवी योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम, इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, इन्दिरा रसोई, इन्दिरा मातृत्व पोषण योजना, उड़ान योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं।

पायलट समर्थक विधायक और राठौड़ को डोटासरा की चेतावनी: डोटासरा बोले...

पार्टी कमजोर करने का अधिकार किसी को नहीं, हाईकमान सब देख रहा

जयपुर. कासं

सचिन पायलट समर्थक परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ के बीच हुई बयानबाजी पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने दोनों को चेतावनी दी है। डोटासरा ने कहा- सभी लोगों को मयार्दा में रहकर काम करना चाहिए। जो कांग्रेस पार्टी की रीति नीति और उसके संस्कार रहे हैं। कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने का किसी को अधिकार नहीं है। इन सब

चीजों पर पार्टी आलाकमान गौर कर रहा है। डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। डोटासरा ने कहा- कोई कुछ भी बयान दे रहा है। उसे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी देख रही है। केसी वेणुगोपाल की ओर से जो एडवाइजरी जारी हुई है, हर चीज केसी वेणुगोपाल के संज्ञान में है। ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे पार्टी को नुकसान हो। चाहे वह कोई भी नेता क्यों न हो। रामनिवास गावड़िया के धर्मेंद्र राठौड़ को चापलूसी करके नेता बनने वाले बयान के विवाद पर जलदाय मंत्री महेश जोशी और प्रतापसिंह ने किनारा कर लिया। महेश जोशी ने कहा- बयानों पर पार्टी ने एडवाइजरी जारी कर रखी है। मैं एडवाइजरी का उल्लंघन नहीं करुंगा। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने भी इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं करके इससे किनारा कर लिया। परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया ने कल कहा था- जूते चप्पल उठाकर सेवा चाकरी की, उन्हें आरटीडीसी अध्यक्ष बना दिया लेकिन ये पार्टी का नुकसान कर रहे हैं। किसी की चापलूसी करके नेता बन जाए। किसी विधायक के क्षेत्र में जाकर पार्टी का नुकसान करे। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥

मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान
पार्श्वनाथ भवन

परम पूज्य आचार्य 108
श्री आदिसागर जी मुनिराज (अंकलीकर)

परम पूज्य आचार्य 108
श्री महावीरकीर्ति जी मुनिराज

परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य 108 श्री विमलसागर जी मुनिराज

परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य 108
श्री सन्मतिसागर जी मुनिराज

जयपुर वर्षायोग 2022

अष्टाह्निका महापर्व

वर्तमान में कल्पद्रुम विधान में विराजित आचार्य परमेष्ठी के सानिध्य में
कल्पद्रुम विधान में बैंठकर अनन्त पुण्य लाभ लें।

पावन सानिध्य

प.पू. मुनिकुंजर आचार्य 108 श्री आदिसागरजी (अंकलीकर)
मुनिराज की परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश
लघुनंदन, युवाऋषि, प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती, संयम भूषण, राष्ट्र संत,

आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज

(57 पिच्छी ससंघ)

भट्टारक जी की नशियां, नारायणसिंह सर्किल, जयपुर में

श्री कल्पद्रुम महामण्डल विधान

मंगलवार, 1 नवम्बर से मंगलवार, 8 नवम्बर 2022

पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव

रविवार, 6 नवम्बर 2022

सौधर्म इन्द्र

श्री शान्तिकुमार जी श्रीमती ममता जी सौगानी
जापान वाले

चक्रवर्ती

श्री सतीश जी श्रीमती शशिप्रभा जी अजमेरा
समीर, शशांक अजमेरा, मीरा मार्ग, मानसरोवर

विधानाचार्य

डॉ. सनत कुमार जी जैन
जयपुर

संगीतकार
शानू एण्ड पार्टी, महुवा

कुबेर इन्द्र

श्री राजीव जी श्रीमती सीमा जी जैन
(गाजियाबाद वाले) बापू नगर

महायज्ञनायक

श्रीमती बुलबुल कंवर गंगवाल परिवार
नेमीसागर कॉलोनी

यज्ञनायक

श्री ओमप्रकाश जी 'मामाजी' श्रीमती निर्मला जी काला
मुरलीपुरा, जयपुर

महामण्डलेश्वर

श्री विनोद जी श्रीमती शशि जी तिजारिया

ध्वजारोहण

श्री वीरचंद जी, गजेन्द्र कुमार जी बड़जात्या
(कांमा वाले) वैशाली नगर

पूजन सामग्री पुण्यार्जक

श्री कमल कुमार जी चाँदवाड़ परिवार

ईशान इन्द्र

श्री विनय जी श्रीमती स्नेहलता जी सौगाणी

सानत इन्द्र

श्री राजेश जी श्रीमती अनिता जी रांवका

माहेन्द्र इन्द्र

श्री कपूरचन्द जी श्रीमती लता जी लुहाड़िया
श्री अनुज जी श्रीमती शिखा जी बड़जात्या

ब्रह्मेन्द्र इन्द्र

श्री कपूरचन्द जी श्रीमती संतोष देवी जी,
श्री नेम कुमार जी श्रीमती अनिता जी कसेरा परिवार

ब्रह्मोत्तर इन्द्र

श्री प्रदीप जी श्रीमती चंदा जी पाटनी (चौमूं वाले)

लान्तव इन्द्र

श्री कल्याणमल जी श्रीमती हंसा जी तलवाड़िया
(मुम्बई वाले)

वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (4 नवम्बर 2022)

श्रीमती बुलबुल देवी ध.प. स्व. श्री नेमीचन्द जी गंगवाल
माणकचन्द जी, पदमचन्द जी, नरेन्द्र कुमार जी, राजेश जी,
राकेश जी, अभिषेक, अभिनव गंगवाल परिवार(कड़ेल वाले)

वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (5 नवम्बर 2022)

श्री विवेक जी श्रीमती रूपा जी सेठी
(बैंकांक वाले)

वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (7 नवम्बर 2022)

श्री विवेक जी श्रीमती रूपा जी सेठी
(बैंकांक वाले)

विधान में बैंठने वाले के लिए
धोती-दुपट्टे, एवं
महिलाओं को साड़ी
समिति की तरफ से दी जायेगी।

पूजार्थियों के लिए
वात्सल्य भोजन की व्यवस्था
नशियां जी में रहेगी।

जयपुर की प्रमुख कॉलोनियों से
इन्द्रों को लाने-ले जाने की निःशुल्क
व्यवस्था कमेटी द्वारा रहेगी।

विधान में बैंठने की सहयोग राशि
एकल व्यक्ति 1100/- मात्र
जोड़ा 2100/- मात्र

आचार्यश्री का आगामी कार्यक्रम

आचार्य आदिसागर महाराज का
109वाँ दीक्षा दिवस
गुरुवार, 25 नवम्बर 2022

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

आचार्यरत्न देशभूषण आश्रम
अचरोल, दिल्ली रोड़, जयपुर
27 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2022

विधान संयोजक

अनुज बड़जात्या मो. 9414054395
गजेन्द्र जैन मो. 9828155512
मुकेश सेठी. मो.9309413678
सुधीर पाटनी मो. 9829941376
सुरेन्द्र शाह मो. 9829352928
अजय पाटोदी मो. 9829053143
मनोज झांझरी मो. 9829063426
रमेश बोहरा मो. 9828026629
सुरेन्द्र मोदी मो. 8696978925
पदम बिलाला मो. 9314024888
देवेन्द्र बाकलीवाल मो. 9887027407
मुकेश जैन ब्रह्मपुरी मो. 9314115222
रमेश जैन मिठड़ी मो. 8739999001
सुशील पहाड़िया मो . 9928557000
सी एल जैन मो. 9414078656
अंकित संघी मो. 8947966833

विधान सम्पर्क सूत्र

राजेश चौधरी चित्रकूट मो. 9460762728
डॉ. शीला जैन, सिटी जौहरी बाजार मो.9414779407
सौभागमल जैन मानसरोवर मो.9414643144
विनोद जैन शास्त्री मो. 9828076193
इन्द्रा बड़जात्या पत्रकार कॉलोनी मो.9829600731
धर्मीचन्द कासलीवाल सेठी कॉलोनी मो.9829060394
देवेन्द्र बोहरा मो.9571584524
अनिल पाटनी श्योपुर मो.9783903634
धीरज पाटनी झोटवाड़ा मो.9929110116
राजेन्द्र पापड़ीवाल महावीर नगर मो.9214419945
वैभव काला चित्रकूट मो.7300415175
प्रवीण विकास बड़जात्या वैशाली नगर मो.9785481867
कान्तिचन्द जैन जवाहर नगर मो.9829488666
अंजना जैन चित्रकूट मो.9413742981
अभिषेक जैन मो.9352219855

आयोजक : आचार्य श्री सुनीलसागर वर्षायोग समिति - 2022

(अन्तर्गत-श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)

अध्यक्ष	मुख्य संयोजक	मुख्य समन्वयक	कोषाध्यक्ष	प्रचार मंत्री	मंत्री
देवप्रकाश खण्डाका 9829063163	रूपेन्द्र छाबड़ा 9314515597, राजेश गंगवाल 9314503273	राजीव जैन (गाजियाबाद वाले) 9414054571	मुकेश जैन 9314115222	रमेश गंगवाल 9414409133	ओम प्रकाश काला (मामाजी) 8829021691

उपाध्यक्ष-सम्पतलाल पाण्ड्या, बाबूलाल जैन (सिवाड़ वाले) संयुक्त मंत्री-बाल किशन बाण वाला, सह-कोषाध्यक्ष-राजेन्द्र पापड़ीवाल
कार्यकारिणी सदस्य - रमेश चन्द जैन (मीठड़ी वाले), विरेन्द्र जैन (निवाई), कमल कुमार चाँदवाड़, राजीव कुमार पाण्ड्या, मुकेश कुमार सेठी, सुधीर कुमार पाटनी, गिरधारी लाल कागदी, विवेक वैद, सतीश अजमेरा, संदीप कुमार शाह, अशोक कुमार सोनी, अजय पाटोदी, राजेश गंगवाल, अनुज जैन, गजेन्द्र जैन, त्रिलोक चन्द गोधा, वीना शाह, इन्द्रा बड़जात्या

एवं समस्त कार्यकारिणी मुनिसंघ प्रबन्ध समिति पार्श्वनाथ भवन एवं वर्षायोग प्रबन्ध समिति

निवेदक - सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का तीन दिवसीय 53वां अवतरण दिवस समारोह

पदमपुरा में हुआ श्री पद्म प्रभ शांति विधान

जयपुर.शाबाश इंडिया

जैन संस्कृति में तप व साधना का विशेष महत्व होता है। आज के चकाचौंध एवं भौतिकता के इस युग में विशेष रूप से दिगम्बर जैन संतों की तपस्या का पूरे विश्व में कोई सानि नहीं रखता है। ये तप, साधना, त्याग, तपस्या जैन तीर्थंकरों के युग से ही चली आ रही है। पूजा विधान, धर्म साधना में भगवान की भक्ति पूरे मनोयोग एवं श्रद्धा पूर्वक की जानी चाहिए। इस तरह से की गई भक्ति का फल अवश्य मिलता है। ये उदगार पदमपुरा में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने सोमवार को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में अपने प्रवचन में व्यक्त किए। भारत गौरव ,गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का तीन दिवसीय 53 वां अवतरण दिवस (जन्म जयंती) समारोह के दूसरे दिन मूलनायक भगवान पद्मप्रभ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद माताजी द्वारा रचित श्री पद्मप्रभ शान्ति विधान पूजा की गई। मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बताया कि श्री पद्मप्रभ शान्ति विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया गया। इन्द्र-इन्द्राणियों ने भक्ति नृत्य करते हुए मंत्रोच्चार के साथ अर्घ्य चढ़ाएं। इस मौके पर माताजी के साथ क्षुल्लक परिणाम सागर, क्षुल्लिका सर्वेन्द्रमति माताजी, संस्कृति भूषण माताजी, क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी का सानिध्य प्राप्त हुआ । इस मौके पर ब्रह.अनिल जैन शास्त्री, ब्रह.प्रियंका दीदी,ब्रह.शालू दीदी, सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी, विनोद जैन टोरडी , हंसमुख गांधी ,विनोद जैन कोटखावदा, सुरेश काला, जे एम जैन, चेतन जैन निमोडिया, सुबोध चांदवाड, दीपक बिलाला, शिखर चन्द कासलीवाल, पुष्पा सोगानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी शामिल हुए। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि मंगलवार, 01 नवम्बर को प्रातः गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से दिव्यांगो को ट्राई साईकिल वितरण किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता समाज सेवी नरेश मेहता करेंगे। तत्पश्चात चातुर्मास मंगल कलशों का पुण्यार्जक परिवारों को वितरण किया जायेगा। वित्त मंत्री अजय बड़जात्या एवं माणक ठोलिया ने बताया कि ससंघ का गुरुवार,3नवम्बर को पदमपुरा से प्रातः 7.00बजे गोनेर के लिए मंगल विहार होगा। माताजी ससंघ का गोनेर से जगतपुरा,जय जवान कालोनी होते हुए शनिवार,5 नवम्बर को प्रातः 8.30 बजे भट्टारकजी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां आचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ से भव्य मिलन होगा। माताजी भट्टारक जी की नसियां से जवाहर नगर, चूलगिरी, दौसा, सिकन्दरा, श्री महावीरजी, करौली होते हुए मुरैना के ज्ञान तीर्थ की ओर मंगल विहार होगा।

इंदिरा गांधी की 38 वीं पुण्यतिथि तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई

फागी. शाबाश इंडिया। आज फागी कस्बे में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशन दाधीच की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 38वीं पुण्यतिथि मनाई गई इसी कड़ी में एकता ,अखंडता के सूत्रधार लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

किशन दाधीच ने बताया कि देश की एकता और अखंडता के लिए इंदिरा गांधी ने जो बलिदान दिया है उसको बुलाया नहीं जा अतः सकता, सबको मिलकर उनके पद चिन्हों पर चलकर देश की अखंडता बनाए रखना चाहिए।इसी कड़ी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि गरीबी मुक्त भारत इंदिरा जी का एक सपना था वह सपना आज भी पूरा नहीं हो पाया। उनके सपनों को पूरा करने के लिए हम सबको मिलकर काम करना चाहिए, इसी कड़ी में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर फागी पंचायत समिति की पूर्व प्रधान सरोज पारीक ने बताया कि स्वतंत्रता की लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान था जिसके कारण उनको भारत का लौह पुरुष कहा जाता है ,सरदार वल्लभभाई पटेल ने 562 रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराया था। उन्होंने शराब, छूआछूत और नारियों पर अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। कार्यक्रम में फागी पंचायत समिति की पूर्व प्रधान सरोज पारीक, फागी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के किशन दाधीच , फागी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता राजाबाबू गोधा, फागी शहर अध्यक्ष महावीर प्रधान, दुर्गा लाल शर्मा, बृजराज चिंदौला, राष्ट्रीय राहुल गांधी संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष नवरत्न साहू, राजीव गांधी ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष लक्षण गौतम, तथा रमेश चौधरी मोहनपुरा सहित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत दौड़ का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्री एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर, राजस्थान तथा डॉ स्निग्धा शर्मा जिला समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के मार्गदर्शन में एस एस जैन सुबोध पी जी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयो द्वारा शिक्षा संकुल से गांधी सर्किल तक रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत दौड़ का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की एन एस एस इकाइयों के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए शपथ ली। कार्यक्रम में डॉ रिचा सिंघल, डॉ पवन शर्मा, डॉ लोकेश जैन, डॉ बाबूलाल शर्मा, डॉ विशाल गौत्तम, डॉ राधाकिशन सहित अनेक स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वेद ज्ञान

भीतर खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं- हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी।

संपादकीय

बेरोजगारी और महंगाई चिंता का विषय

अगर आपसे कहा जाए कि भारत में वर्तमान आर्थिक स्थिति पर एक निबंध लिखिए, तो आपके दो पसंदीदा विषय कौन से होंगे? निश्चित रूप से आप में से अधिकतर लोग बेरोजगारी और महंगाई को विषय चुनेंगे। वित्त मंत्रालय हर महीने एक आर्थिक समीक्षा प्रकाशित करता है। इस बार वित्त मंत्रालय ने छह युवा और उत्साही अर्थशास्त्रियों के एक समूह को इस समीक्षा के लिए एक निबंध लिखने को कहा। मगर मैंने कभी सोचा नहीं था कि वे जानबूझ कर 'बेरोजगारी' के साथ-साथ 'कुपोषण', 'भूख' और 'गरीबी' जैसे शब्दों के प्रयोग से भी बचेंगे। (समझ नहीं पाया कि क्या यह उनके कानों में फुसफुसाया गया था कि प्रधानमंत्री यह लेख पढ़ सकते हैं) अर्थशास्त्रियों का समूह इस बात को जानता है, लेकिन स्वीकार नहीं करेगा, कि बेरोजगारी, कुपोषण, भूख और गरीबी की अनदेखी विद्वानों के कर्तव्य की गंभीर अवहेलना है। मासिक आर्थिक समीक्षा एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होता है। मुझे उम्मीद थी कि 2022 सितंबर की समीक्षा (22 अक्तूबर, 2022 को जारी) वर्तमान स्थितियों, अर्थव्यवस्था की ताकत और कमजोरियों का एक वस्तुनिष्ठ मध्यवर्षीय लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी। उससे पता चल सकेगा कि अगले छह से बारह महीनों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में क्या संभावनाएं हैं और फिर उन तत्त्वों की पहचान हो सकेगी कि अर्थव्यवस्था को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उससे यह भी पता चल सकेगा कि विश्व अर्थव्यवस्था की क्या प्रवृत्तियां हैं और उनका हमारी घरेलू अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं। मगर सितंबर माह की समीक्षा एक बहुत ही पतला-सा दस्तावेज है- कुल तैंतीस पृष्ठों का, जिसमें डेटा के रूप में तीन पृष्ठ ग्राफ और चार्ट के साथ बिंदुवार तथ्य हैं। पाठ छह खंडों में विभाजित है और निष्कर्ष और विहंगावलोकन के साथ हस्ताक्षरित होकर समाप्त होता है। इसके कुछ अनुभाग सरकार की चिंताओं को प्रकट करते हैं। मसलन, 1- राजकोषीय स्थिति, 2- उद्योग, 3- सेवाएं, 4- ऋण मांग, 5- मुद्रास्फीति और 6- बाहरी क्षेत्र। इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि बेरोजगारी, कुपोषण, भूख और गरीबी सरकार की चिंताओं में शामिल नहीं हैं। रिपोर्ट का लहजा खुद अपनी पीठ थपथपाने वाला है। इसके अंतिम वाक्य से इसके मुख्य स्वर और दृष्टिकोण का अंदाजा लगाया जा सकता है: 'जैसा कि क्रिकेट के खेल में होता है, जब बाल स्विंग कर रही हो, तो उसे खेलने के बजाय छोड़ देना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण माना जाता है (नीतिगत त्रुटियों से बचा जाता है) जितना अच्छी गेंदों को अच्छी तरह से खेलना (नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं)।' हर निष्कर्ष का उद्देश्य पाठक को उसकी वास्तविक स्थिति से परे हटाना है। समीक्षा के अनुसार- राजस्व में उछाल है, पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है, व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अगस्त तक वित्तीय स्थिति सेहतमंद थी। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सच्चे देशभक्त...

इस दीपावली पर अयोध्या में पंद्रह लाख से अधिक दीये जला कर प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने नया कीर्तिमान बनाया! फिर अगले दिन प्रधानमंत्री ने कारगिल जाकर सैनिकों को अपने हाथ से लड्डू खिलाए! इससे भी पहले पीएम मोदी केदारनाथ में बोल दिए कि औपनिवेशिक शासन ने हिंदुओं में हीनता की मानसिकता पैदा की, अब हमें इससे मुक्त होना है- इसे सुनते ही एक अंग्रेजी एंकर चहक उठाः यह 'हिंदू रेनेसां' हो रहा है। हिंदू नवजागरण हो रहा है! मगर इस दीपावली पर सबसे बड़ा कीर्तिमान बनाया भरतीय मूल के ऋषि सुनक जी ने। वे संकट में फंसे महान ब्रिटेन को उबारने वाले बने। इसी खातिर टोरी दल के नेताओं ने उनको एक सुर से अपना पीएम चुना। और सुनक जी? अरे वही, अपने वाले 'शौनक जी' यानी सूत जी, शुकदेव जी के भाई जी, भागवत वाले शौनक जी! और सुनक जी निकले पूरे गवीर्ले हिंदू! पीएम की शपथ गीता पर ली। रामनामी वाला दुपट्टा पहना। माथे पर तिलक लगवाया। गौ-पूजा की। दीया जलाया। रंगोली बनाई। सब हिंदू विधि-विधान से किया और सब दिखा 'लाइव लाइव'! यह सब तो अपने यहां के किसी हिंदुत्ववादी तक ने कभी नहीं किया! कई चैनलों ने उछाह में लाइनें लगाईं: 'यूके पर करेगा एक भारतीय राज- इंगलैंड में हिंदू करेगा राज- अपने जलोकड़ों ने तुरंत फच्चर लगायाः एक मैडम नेताजी कहिन कि हम सीएए करते हैं, वो पीएम बनाते हैं' कि एक कांग्रेसी नेता जी ने अपना सेक्युलर फच्चर लगाया कि भारत में कब बनेगा कोई अल्पसंख्यक पीएम? फिर एक और ने फच्चर ठोंका कि एक दिन हिजाब वाली लड़की बनेगी इंडिया की पीएम- हाय! मन अतिरंक मनोरथ राउ! कामनाओं के घोड़े दौड़ाए जाने लगे, ताकि एक सुनक जी की ताजपोशी की खबर फोकस से बाहर हो जाए। फिर बहसें शुरू। भाजपा प्रवक्ता कहिन कि अपने यहां तो पहले ही बहुत से अल्पसंख्यक शीर्ष पर रहे हैं, जैसे प्रधानमंत्री पद पर मनमोहन सिंह पूरे दस बरस रहे और राष्ट्रपति के पद पर जैल सिंह से लेकर अब्दुल कलाम तक रहे हैं- अपना जनतंत्र खुला है। चुनाव लड़ लो, ले आओ बहुमत और बना लो अपना मनचीता प्रधानमंत्री। क्या प्रधानमंत्री के लिए भी आरक्षण चाहिए? सच, आज किसी हिंदू का ग्रेट ब्रिटेन का यों पीएम चुना जाना एक प्रकार से 'सबाल्टर्नी औपनिवेशिक पलट' ही तो है, लेकिन यह भी विपक्ष को नहीं भाया और वह हमेशा की तरह विघ्न संतोषी बना रहा! इस बार की दीपावली में तो अमेरिका भी पीछे न रहा। कुछ इसे भी अमेरिका का 'हिंदू तुष्टीकरण' कहेंगे! वोट जो न कराए, सो थोड़ा! लेकिन दीपावली पर सबसे मजेदार गुगली भाजपा को केजरीवाल जी ने फेंकी कि नोटों पर गांधी जी के चित्र के साथ लक्ष्मी जी और गणेश जी के चित्र भी छापे जाने चाहिए, ताकि भारत को उनका आशीर्वाद मिलता रहे- केजरीवाल जी की देखादेखी एक अन्य नेता कहिन कि शिवाजी को छापिए, तो दूसरे कांग्रेसी नेता कहिन कि आंबेडकर को छापिए। भाजपा प्रवक्ताओं को देर तक नहीं सूझा कि केजरीवाल की इस हिंदू गुगली को कैसे खेलें और एक बहस में जवाब सूझा भी तो एक एंकर को सूझा, जिसने कहा कि नोटों पर देवी-देवताओं को छापने से उनकी अवमानना होगी। नोट किस-किस हाथ में कहां से कहां जाते हैं?

महावीर इंटरनेशनल का दीपावली मिलन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर द्वारा एक विशाल सांस्कृतिक संध्या गीत गाता चल ग्रुप के समन्वयन में आयोजित की गई। खचाखच भरे एसोसिएशन भवन मे जयपुर नगर निगम हेरिटेज की मेयर श्रीमती मुनेश गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई ।विशिष्ट अतिथि के रूप में उप महापौर जयपुर नगर निगम हेरिटेज के असलम फारूकी उपस्थित हुए। फारूकी ने एक शानदार गीत गा कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में पारस जैन पार्षद भी गेस्ट ऑफ आनर्स के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 24 कलाकारो ने अपनी प्रस्तुति दी इसमें नेपाल दुबई वेस्ट इंडीज अमदाबाद के गीतकारों ने भी भाग लेकर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन वीर राकेश गोधा ने किया। महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के मंत्री वीर पीसी छाबड़ा ने वृद्ध आश्रम की आवश्यकता बताते हुए जमीन अलाट कराने की प्रार्थना की जिस पर महापौर एवं उपमहापोर ने महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन को वृद्ध आश्रम के लिए जमीन अलाट कराने का आश्वासन दिया।

स्वस्तिक ग्रुप का दिवाली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक का दीपावली स्नेह मिलन समारोह ब्लू प्लूटो-गार्डन लॉन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन समाज सेवी अशोक -आशा काला ने किया। अध्यक्ष सतीश-मधु बाकलीवाल, सचिव अजीत -शकुन बड़जात्या ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। मंगलाचरण मधु बाकलीवाल,शकुन बड़जात्या, रंजना बोहरा,ममता शाह द्वारा किया गया। अपने स्वागत उदबोधन में अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने सभी का भावभीनी स्वागत किया। मंच संचालन सचिव अजीत बड़जात्या द्वारा किया गया। समारोह में अगस्त माह से अक्टूबर माह तक जिन सदस्यों के जन्मदिन तथा शादी की वर्षगांठ थी उन दम्पति सदस्यों का तिलक, माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का सुंदर संयोजन रोहित -सविता, प्रदीप - संगीता द्वारा किया गया जिन्होंने कई गेम्स भी खिलवाये। दीपावली पर आधारित हाउजी कमलेश बाकलीवाल, सविता, रोहित द्वारा खिलाइ गयी जिसका सदस्यों ने भरपूर आनंद ने उठाया। ग्रुप की सदस्या कमलेश जी बाकलीवाल द्वारा नेशनल मास्टर टेबल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मैडल जीतने पर मधु जी बाकलीवाल द्वारा सम्मानित किया गया। ग्रुप के सचिव अजीत जी बड़जात्या ने कार्यक्रम को सुनियोजित व रुचिकर बनाने में रोहित जी, सविता जी, संगीता जी, प्रदीप जी,कमलेश जी की सराहना की,सभी सहयोग कर्ता, दीपप्रज्वलन कर्ता अशोक जी -आशा जी काला एवं सभी उपस्थित दम्पति सदस्यों का आभार प्रदर्शित किया। सदस्य टीकम चंद जी गोधा के असामयिक निधन होने पर 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गयी। सभी सदस्यों के आगमन पर तिलक कर स्वागत किया गया, दोपहर में स्टार्टर्स चाय, कॉफी, पकोड़ा, सांयकालीन भोजन का रसास्वादन किया। ग्रुप संचालक अशोक जी -रश्मि जी तथा अन्य सभी सदस्यों ने प्राकृतिक अदभुत छटा, चारों तरफ हरियाली से घिरा खूबसूरत लॉन, कार पार्किंग की प्रचुर सुविधा के बीच इस स्थान की खूब प्रशंसा की।

किडनी खराब होने का शुरूआती लक्षण क्या है?

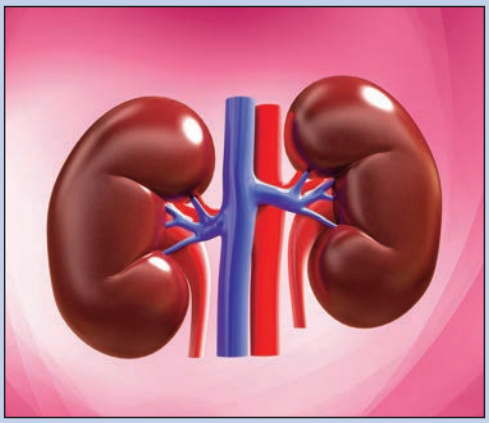

किडनी में गड़बड़ी होने पर दिखते हैं ये शुरूआती लक्षण

किडनी हमारे शरीर का एक मुख्य अंग है, जो शरीर के भीतरी अंगों की सफाई करता है। किडनी ब्लड को प्यूरीफाई करता है, साथ ही सारे हानिकारक पदार्थों को भी शरीर से बाहर निकालने का काम करता है। जिस तरह कोई भी अंग खराब होने पर शरीर में बदलाव नजर आते हैं, उसी तरह जब किडनी में खराबी आने लगती है तो कुछ शुरूआती लक्षण नजर आते हैं।

1. थकान और कमजोरी

थकान और कमजोरी किडनी में खराबी का आम लक्षण हो सकता है। किडनी खराब होने पर आपको ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है।

2. त्वचा पर रूखापन-खुजली होना

किडनी लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने, शरीर से अपशिष्ट पदार्थ निकालने और खून में मिनरल्स की सही मात्रा को बनाए रखने का काम करती है। लेकिन जब किडनी खराब होना शुरू होती है, तो रक्त में खनिजों और पोषक तत्वों का संतुलन सही नहीं रह पाता है। त्वचा पर खुजली भी होती है।

3. बार-बार पेशाब आना

अगर आपको बार-बार पेशाब आता है, तो यह किडनी की बीमारी का संकेत हो सकता है। खासकर जब रात में बार-बार पेशाब आता है।

4. पेशाब में खून आना

स्वस्थ किडनी आमतौर पर रक्त से अपशिष्ट को मूत्र बनाने का काम करते हैं। लेकिन जब किडनी के फिल्टर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो ब्लड सेल्स मूत्र में रिसाव करना शुरू कर देते हैं।

5. पैरों और टखनों में सूजन

पैरों और टखनों में सूजन भी किडनी में खराबी का एक लक्षण हो सकता है।

6. मांसपेशियों में ऐंठन

खराब किडनी की वजह से इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित हो सकता है। इस स्थिति में शरीर में कैल्शियम, फॉस्फोरस कम हो जाता है, जिसकी वजह से मांसपेशियों में ऐंठन होने लगती है।

7. किडनी में सूजन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले विषाक्त पदार्थ बाहर नहीं निकलते और शरीर में मौजूद रक्त के साथ मिलने लगते हैं। इससे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है।

8. भूख कम लगना

भूख कम लगना किडनी में खराबी का एक सामान्य लक्षण होता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

9. पेशाब के साथ प्रोटीन निकलना

किडनी खराबी की स्थिति में पेशाब के साथ प्रोटीन भी लीक हो जाता है। इस स्थिति में आंखों के आसपास सूजन महसूस हो सकती है।

10. पेशाब में झाग आना

कई लोगों को पेशाब के साथ झाग भी निकलता है, यह किडनी में खराबी का संकेत होता है। इस स्थिति में पेशाब के साथ प्रोटीन भी बाहर निकल जाता है।

आचार्य श्री जयकीर्ति मुनिराज पुरस्कार से सम्मानित हुए डॉ. श्रेयांस कुमार जी बड़ौत

बड़ौत. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज के ससंघ सान्निध्य में योगी नगर बोरीवली मुम्बई में 25 समवशरण महा मंडल विधान के मध्य अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद (रजि.) के यशस्वी अध्यक्ष व्याख्यान वाचस्पति डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत को उनके उल्लेखनीय अवदान के लिए समाज के द्वारा प्रशस्ति , शाल , श्रीफल एवं विशिष्ट राशि के द्वारा डॉ. साहब को श्रुतान्वयी उपाधि से अलंकृत किया गया तथा आचार्य श्री जयकीर्ति मुनिराज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर डॉ. साहब को अनेक विद्वतजनों, श्रेष्ठिजनों आदि ने हार्दिक शुभकामनाएं व बधाइयां प्रेषित की हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. साहब को पूर्व में अनेक पुरस्कारों से अलंकृत किया जा चुका है। उक्त जानकारी डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने दी है। **-डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर, प्रचार मंत्री शास्त्रि-परिषद**

श्रीमती शीला जैन डोडिया हुई नारी गौरव से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा, संत सुधासागर बालिका छात्रावास सांगानेर की अधिष्ठात्री श्रीमती शीला जैन डोडिया को रविवार 30 अक्टूबर को भट्टारक जी की नसियां में आचार्य सुनील सागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम महावीर भगवान के 2550 वें निर्वाण महोत्सव अहिंसा रथ प्रवर्तन के उपलक्ष्य में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र के द्वारा **''सेवा हेतु संकल्पित नारी गौरव''** से सम्मानित किया गया। राजस्थान अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि महासमिति के और निर्वाण महोत्सव समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन, श्वेतांबर जैन आचार्य लोकेश मुनि, आचार्य शैलेष, दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी, देव प्रकाश खंडाका, घेवरचंद बोहरा, श्रीमती विद्युत लुहाडिया, सुशीला जैन (मकराना), मधु पाटनी (अजमेर) मधु शाह (कोटा) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे ।

विजयवर्गीय समाज का अन्नकूट महोत्सव संपन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। विजयवर्गीय समाज, अजमेर का अन्नकूट महोत्सव एवम दीपावली मिलन समारोह का आयोजन गंज स्थित जनकपुरी में उत्साह के साथ किया गया। शहर अध्यक्ष रामचंद्र बीजावत ने बताया कि पुष्कर के समाज के मीरां मंदिर से ठाकुरजी को लाकर विराजमान कराया। नयाभिराम श्रंगार के साथ रामगोपाल त्रिपाठी द्वारा फूलो से आकर्षक मंडप सजाया गय। पुजारी सत्यनारायण त्रिपाठी ने अन्नकूट का भोग लगाकर आरती की जिसमें समाज के सभी महिला पुरुष शामिल हुए। महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष आभा गांधी, बेला गांधी, अमिता गांधी के नेतृत्व में महिला मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राकेश विजय, शहर उपाध्यक्ष अतुल विजयवर्गीय, अनुज गांधी, महामंत्री संजय विजय, प्रेमनारायण, रजनीकांत बीजावत, राजेंद्र गांधी, बसंत विजयवर्गीय, रामस्वरूप बीजावत, रमेश विजय, रूपनारायण विजय एवं गणमान्य लोग, पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर श्री संघ के अध्यक्ष बने राजकुमार पारख (लिटिल भाई)

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया

आदिनाथ श्वेताबर जैन मंदिर मे श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर श्री संघ की मीटिंग मे राजकुमार पारख(लिटिल भाई) को अध्यक्ष चुना गया । इस अवसर पर पारख ने सभी का आभार जताया व साध्वी प्रवर गुणरंजना श्रीजी का मंगल आशीष भी लिया। जल्द ही पारख अपनी कार्यकारिणी का चयन करेगे। उनके अध्यक्ष बनने से सभी मे हर्ष है। पारख ने सम्पन्न वषायोग में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई है। सभी को उम्मीद है की उनके बनने से समाज में नवज्योति व नवजाग्रति आएगी और धर्म की महती प्रभावना होगी। **अभिषेक जैन लुहाडिया रामगंजमडी की रिपोर्ट**

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज का 216 घंटे के बाद निर्विघ्न निरन्तराय पारणा सम्पन्न

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

इस सदी के सबसे कम उम्र के तपस्वी, मौन साधक सम्मेद शिखर में पारसनाथ टोंक पर साधना करने वाले एवं परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त एवं इस सदी के महान संत संत शिरोमणि गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से सिंह निष्क्रिय व्रत धारण करने वाले परम पूज्य प्रातः स्मरणीय अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज का मंगल साधना के साथ आज 216 घंटे के बाद निर्विघ्न निरन्तराय पारणा सम्पन्न हुआ। ज्ञात हो कि आचार्य अन्तर्मना गुरुदेव लगभग 8 महीना स्वर्णभद्र कूट पर मोन साधना में रत थे गुरूवर आचार्य भगवन एकांत ओर मोन साधना से अपनी तपस्या को प्रगाट करते हुवे सम्मेदशिखर जी के पहाड़ पर साधना किये। इस पर मुनि श्री 108 सौम्य मूर्ति मुनि श्री 108 पीयूष सागर जी मे बताया कि अन्तर्मना गुरूवर 28 अक्टूबर को पहाड़ से अपनी साधना कर नीचे उतर गए है ओर बीसपंथी कोठी में विराजमान है । जहाँ आज की पारणा हुई जिसमें हजारों लोग शमिल होकर अनुमोदना कर अपने जीवन को धन्य करते हुवे सौम्य मूर्ति ने बताया की प्रतिदिन गुरूवर की पूजा, आरती बीसपंथी कोठी में होगा और 27 जनवरी 2023 को महापारणा होगा। इस आहार में विशेष रूप से अन्तर्मना भक्त मनोज जैन चौधरी हैदराबाद, विवेक जैन गंगवाल, कोलकोत्ता, बिट्टू जैन भोपाल,आकाश जैन, विक्की जैन धुलियान, वंदना गंगवाल धनबाद के साथ हजारों भक्त इस आहार में शामिल हुए।**कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, मनीष सेठी**

श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ 1 से 8 नवम्बर

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम् पूज्य मुनिश्री स्वयंभू सागर जी महाराज एवं मुनिश्री अनुकरण सागर जी महाराज के सानिध्य में 1 नवम्बर से 8 नवम्बर 2022 तक श्री आदिनाथ अग्रवालन दिगम्बर जैन मंदिर न्यू विद्याधर नगर जयपुर मे सकल दिगंबर जैन समाज विद्याधर नगर जयपुर द्वारा सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया जा रहा है। विधान विधानाचार्य -बा,ब्र, शुभम भैया द्वारा कराया जायेगा। विधान मे नित्य प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, नित्यनियम पूजन, विधान प्रारंभ तथा सायं-7 बजे से श्री जी मंगल आरती, प्रवचन भैया जी द्वारा किया जायेगा ।

इंसान अपने स्वार्थ पूरे करने के लिए कर रहा जीवनदायी प्रकृति को बर्बादः समकितमुनिजी

जब पौधे ही लगाने थे तो फिर क्यों काट रहे हो लगे-लगाए पेड़। शांतिभवन में प्रवचन माला जुग-जुग जियो जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। प्रकृति हर पल हमे सहयोग करती है लेकिन हम उसका ध्यान नहीं रख पा रहे है। उसके उपकार नहीं मानने से वह हमारे पर कुपित होती जा रही है। हम प्रकृति के कारण जीवन जी पा रहे है लेकिन उसके प्रति जरा भी अहोभाव नहीं है उसी कारण वह हम पर कुपित हो रही है। कोरोनाकाल ने बता दिया है कि ऑक्सीजन हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। इसके बावजूद व्यक्ति स्वयं के स्वार्थ पूरे करने के लिए प्रकृति को बर्बाद करने में लगा हुआ है। ऐसे में आगे चलकर उसे शुद्ध हवा भी नसीब नहीं होने वाली है। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में सोमवार को प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के पांचवें दिन व्यक्त किए। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया जा रहा है कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि ऑक्सीजन के मुख्य स्रोत जगंल व वृक्ष धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे है। हरियाली खत्म कर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनाई जा रही है। जीवनदाता को बर्बाद करके थोड़ी देर के लिए आबाद हो सकते है लेकिन हमेशा के लिए ये बबार्दी का कारण है। व्यक्ति का लालच खत्म होने का नाम ही नहीं लेता है। वह भूल जाता जिसे खत्म कर रहा उसके कारण कितने लोगों की जान खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा कि आदमी पेड़ काट पौधे लगाने का दावा करता है लेकिन जब ऐसा करना था तो लगे लगाए पेड़ो को बर्बाद क्यों किया। आदमी अपनी गलतियां छुपाने के लिए नए रूप में दुनिया के सामने आने का प्रयास करता है। आदमी के जीवन में सबसे खतरनाक कषाय लोभ है। आदमी इस लोभ के चलते जिंदगी देने वालों को ही नष्ट करने में लगा हुआ है। प्रकृति का का कण-कण हमे बचाने में लगा है और हम प्रकृति को ही बर्बाद करने में लगे है। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी ने ह्यहर पल में हो प्रभु सुमिरिन तेरा, ऐसा बना दो प्रभु जीवन मेराह्न गीत की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में कोटड़ी श्रीसंघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ विभिन्न स्थानों से आए श्रावकगण मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

विराधना के जीवन से मुक्त होने का नाम ही इच्छाकारणं का पाठ

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि परमात्मा का इच्छाकारणं पाठ सबसे बड़ा वरदान है। इस पाठ को हम समझे। ये पाठ सिर्फ बोलकर खत्म करने के लिए नहीं है। ये पाठ तो ऐसा है कि तमाम जीव जगत से हम दुआ प्राप्त कर सकते है। मोक्ष प्राप्ति का सपना पूरा करने के लिए विराधना का जीवन छोड़ना होगा। इसके बिना परमपद की प्राप्ति नहीं हो सकती। इस विराधना के जीवन से मुक्त होने का नाम ही इच्छाकारणं का पाठ है। जो विराधना अब तक हो चुकी उसकी आलोचना करनी होगी। ऐसा करके हम की गई गलतियों से छूटने का प्रयास कर सकते है। मुनिश्री ने कहा कि इच्छाकारणं पाठ का महत्व बताने वाली ये प्रवचनमाला जग-जुग जीयो पांच दिवसीय थी एवं समापन सोमवार को होना था लेकिन अब इसे दो दिन बुधवार तक बढ़ाया गया है। गुरूवार को शांतिभवन में सामूहिक आलोचना का पाठ होगा। अनादिकाल से लेकर अब तक की गलतियों को वोसरामि करते हुए स्वयं को हल्का कर सकते है।

विराधना करने पर फलित नहीं होते वरदान

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि परम सत्ता हासिल करने के लिए विराधना के जीवन से अलग होना पड़ेगा। लेश्या यानि कुचलने की विराधना से भी बचे। ये विराधना होने पर हम दिव्य वरदानों से वंचित होते रहते है। दूसरों के सपनों को कुचलने के प्रयास में स्वयं के अरमान धरे रहे जाते है। लेश्या की विराधना से बचने पर देव,गुरू व भगवान के वरदान फलित होते है। सुबह चलकर सैर के नाम पर हरीघास कुचलने वाले लोगों का जीवन आबाद नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अपने शौक पूरे करने के लिए किसी की आजादी छिनना भी विराधना है। इंसान को दूसरे जीव-जंतुओं का भी ध्यान रखना चाहिए।

देरांठू में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'एकता दिवस' के रूप में मनायी गई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के निकटवर्ती ग्राम देरांठू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एंव महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विधालय में सोमवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती एकता दिवस के रूप में मनायी गई। इस अवसर पर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली गई और बच्चों को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन वृतांत और उनके द्वारा किए गए भारत देश के एकीकरण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस उपलक्ष में ग्राम के प्रबुद्ध जन और अभिभावकों के साथ छात्र छात्राएं उपस्थित रहे । इस उपलक्ष पर महात्मा गांधी विधालय के प्रधानाचार्य अनिल गोयल, वरिष्ठ अध्यापक अनिल कुमार जैन, केशर सिंह रावत ,सुल्तान खोकर, पवन कुमार, कमला कुमारी शर्मा, श्रीमती प्रार्थना अग्रवाल, श्रीमती उर्वशी तंवर, श्रीमती आइरिस मैसी, श्रीमती गायत्री सोनी,श्रीमती ममता चौधरी,श्रीमती चेतना शर्मा, सुशील कपूर ,महावीर सिंह रावत, सुरेंद्र कुमार तोसावडा, मनोज कुमार जैन, दुर्गा प्रसाद मीणा,आशीष कुमार दाधीच सहित समस्त स्टाफ सदस्य व ग्रामीण जन उपस्थित थे । वही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के शुभ अवसर पर विद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ एवं सामूहिक दौड़ में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के संस्था प्रधान श्रीमती संगीता तिवारी व समस्त स्टाफ सुषमा सोनी, सुनीता धवन, रितु देतवाल, मोतीलाल, मो. इरफान, अंजना शर्मा, गोरंती मीणा, ज्योति पुरोहित, करिश्मा कड़वासरा, ताराचंद माली, बाबूलाल जाट, अजय कुमार सूद, रवि कुमार आदि उपस्थित थे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com